न्यास मंडल

अध्यक्ष
डॉ. आर.एस. परोदा
पूर्व सचिव (डेयर)
व महानिदेशक (भा.कृ.अ.प.),
'टास', एवेन्यू–II, भारत सरकार
भा.कृ.अ.सं., पूसा कैम्पस
नई दिल्ली–110012
फोनः +91–11–65437870 (का.);
+91–11–27876525 (नि.)
फैक्सः 25843243
ईमेलः raj.paroda@yahoo.com

उपाध्यक्ष
डॉ. एस. नागराजन
अध्यक्ष
पौधा किस्म और कृषक अधिकार
संरक्षण प्राधिकरण, एनएएससी
कॉम्प्लैक्स, डीपीएस मार्ग,
नई दिल्ली–110012
फोनः 011–25848127
ईमेलः plantauthority@gmail.com

सचिव
डॉ. एन.एन. सिंह
कुलपति
बिरसा कृषि विश्वविद्यालय
कांके, रांची–834006, झारखंड
फोनः 0651–2450500/
2450866 (का.)
0651–2450623 (नि.)
फैक्सः 0651:2450850
ईमेलः vc_bau@rediffmail.com

कोषाध्यक्ष
डॉ. पी.के. जोशी
निदेशक
राष्ट्रीय कृषि अर्थशास्त्र एवं
नीति अनुसंधान केन्द्र (एनसीएपी),
लाइब्रेरी ऐवन्यू, पूसा,
नई दिल्ली–110012
फोनः 011–25843036
फैक्सः 25842684
ईमेलः pkjoshi@ncap.res.in

सदस्य

डॉ. बी.आर. बरवाले
अध्यक्ष
माह्यको रिसर्च फाउंडेशन
रेशम भवन, चौथा तल,
78, वीर नारीमन रोड,
मुम्बई–400020
फोन : 022–22049497
3020 (का.)
23641669, 23686095 (नि.)
ईमेलः aban.kapadia@mahyco.com

डॉ. आर.के. अरोड़ा
पूर्व निदेशक, एन.बी.पी.जी.आर
सी–3/3035, वसंत कुंज,
नई दिल्ली–110070
फोनः +91–11–26130954
ईमेलः drrkarora1932@gmail.com

डॉ. एच.एस. गुप्ता
*निदेशक
भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
पूसा कैम्पस, नई दिल्ली–110012
फोन–011– 25843375
ईमेलः director@iari.res.in

डॉ. नरेन्द्र गुप्ता
ट्रस्ट फॉर एडवांसमेंट ऑफ
एग्रीकल्चरल साइंसिस,
एवेन्यू II, भा.कृ.अ.सं.
नई दिल्ली–110012
फोन : 011–65437870
ईमेलः taasiari@yahoo.co.in

*निदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान पदेन सदस्य हैं

कारपोरेट सदस्य

डॉ. अमृता पटेल
अध्यक्ष
राष्ट्रीय डेरी विकास बोर्ड
आनंद–388 001
फोनः 02692–260145 (डी)
226103, 260148, 260149,
260160
फैक्सः (02692) 260157
ईमेलः anand@nddb.coop,
amrita@nddb.coop

डॉ. एम. रामास्वामी
प्रबंध निदेशक
रासी सीड्स (प्रा.) लिमिटेड
273, कामराजनर रोड
पी.ओ.बॉक्स नं.30, अतूर–636102
सेलम जिला, तमिलनाडु, भारत
फोनः +91–4282–241007, 242007
फैक्सः +91–4282–242558
ईमेलः rasimail@rasiseeds.com

श्री एम. प्रभाकर राव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
नुज़ीवीडु सीड्स प्रा. लिमिटेड
एन एस एल आई सी ओ एन
चौथा तल, # 8–2–684/2/ए
मार्ग सं. 12, बंजारा हिल्स
हैदराबाद – 500034
आन्ध्र प्रदेश
फोनः 040–30514444
फैक्सः 040–23327919

श्री ज्ञानेन्द्र शुक्ल
निदेशक, कार्पोरेट मामले
मॉनसेन्टो इंडिया लिमिटेड
अहूरा सेन्टर, पाँचवा तल, 96,
महाकाली केव्ज मार्ग, अंधेरी (पूर्व),
मुम्बई – 400093
फोनः 91 22 28246450/67029851
फैक्सः 91 22 28244707/67023361
ईमेलः gyanendra.shukla
@monsanto.com

taas
Progress Through Science

ट्रस्ट फॉर एडवांसमेंट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसिस (टास)
एवेन्यू–II , भा.कृ.अ.सं., पूसा कैम्पस, नई दिल्ली–110012
फोनः 011–65437870; ईमेलः taasiari@yahoo.co.in
फैक्सः 011–25843243; वैबसाइटः www.taas.in

taas
Progress Through Science

ट्रस्ट फॉर एडवांसमेंट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसिस

उद्भव

भारतीय विज्ञान कांग्रेस का 88वां सत्र जनवरी 2001 में सुप्रसिद्ध संस्थान भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के परिसर में डॉ. राजेन्द्र सिंह परोदा की महा अध्यक्षता में आयोजित किया गया था।

नई सहस्राब्दी की यह प्रथम कांग्रेस थी और इसका लक्ष्य 'खाद्य, पोषण तथा पर्यावरण सुरक्षा' था। इस कांग्रेस के दौरान भारत के पूर्व माननीय प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने परिदृश्य दस्तावेज जारी किया था जिसमें उल्लिखित था :

"वर्ष 2020 तक भारत गरीबी, भूख तथा कुपोषण से मुक्त होकर पर्यावरण की दृष्टि से एक सुरक्षित राष्ट्र हो जाएगा। हमें विश्वास है कि ऐसा विज्ञान में हुई प्रगतियों के उपयोग द्वारा सामाजिक व आर्थिक विकास में तेजी लाकर तथा वैज्ञानिक प्रौद्योगिकियों को अपने देसी ज्ञान, विवेक व अनूठी सामाजिक–सांस्कृतिक विरासत के मेल से संभव हो सकेगा। हमें विश्वास है कि भारत अपनी गरीबी को दूर करते हुए यहां उपलब्ध मानवीय, प्राकृतिक तथा अन्य संसाधनों के कारगर तथा टिकाऊ उपयोग द्वारा विकास की ओर अग्रसर होकर एक विकसित देश के रूप में उभरेगा।" इस परिदृश्य दस्तावेज में निष्कर्षतः यह कहा गया कि "भूखमुक्त भारत एक ऐसा विचार है जिसे साकार करने का समय आ गया है। आइये हम सब मिलकर छद्म भूख तथा पोषण के उन्मूलन के लिए विज्ञान आधारित आंदोलन की शुरूआत करें।"

इसके साथ ही प्रधानमंत्री ने यह कहकर वैज्ञानिकों को उत्प्रेरित किया कि "नई शताब्दी में भारत को विश्व का अग्रणी देश बनाने के हमारे लक्ष्य की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि हम विज्ञान को किस प्रकार सफलतापूर्वक सामान्य जनों तक पहुंचाते हैं और अपने समाज में एक सबल वैज्ञानिक सोच विकसित कर सकते हैं।"

उपरोक्त संदर्भ में तथा इस तथ्य को मानते हुए कि इस कांग्रेस को समाप्त नहीं माना जाना चाहिए, जन–सामान्य के कल्याण, विशेषकर कृषि विज्ञानों के उपयोग, के लिए एक आंदोलन की शुरूआत के रूप में कांग्रेस की राष्ट्रीय संयोजन समिति ने ट्रस्ट फॉर एडवांसमेंट ऑफ एग्रीकल्चरल साइंसिस (टास) की स्थापना का निर्णय लिया। इस ट्रस्ट या न्यास की स्थापना 17 अक्तूबर 2002 को हुई और इसका मुख्यालय भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में स्थापित किया गया।

लक्ष्य

सामान्य जनों के कल्याण के लिए कृषि विज्ञानों के उपयोग हेतु त्वरित आंदोलन

मिशन

वैज्ञानिक आदान–प्रदान और साझीदारी के माध्यम से कृषि विकास तथा प्रगति को बढ़ाना

उद्देश्य

- विकास के लिए कृषि अनुसंधान से संबंधित मुख्य नीतिगत मुद्दों पर वैचारिक स्रोत के रूप में कार्य करना।
- भारत के विभिन्न क्षेत्रों में कृषि विज्ञान के उभरते हुए मुद्दों व नई प्रगतियों पर संगोष्ठियां व विशेष व्याख्यान आयोजित करना।
- भारतीय तथा विदेशी वैज्ञानिकों द्वारा भारतीय कृषि में किए गए उत्कृष्ट योगदानों के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों की शुरूआत करना।
- अल्पावधि अवकाश पर आने वाले अनिवासी भारतीय कृषि वैज्ञानिकों के साथ भागीदारी को सुगम बनाना।

वर्तमान क्रियाकलाप

- स्थापना दिवस व्याख्यान
- विशेष व्याख्यान
- महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचारोत्तेजक सत्र/संगोष्ठियां/सेमिनार/कार्यशालाएं
- मुख्य नीतिगत विषयों पर रणनीतिपरक पत्र
- किसानों की खोजों को मान्यता देना और उन्हें बढ़ावा देना
- कृषि में नेतृत्व के लिए डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन पुरस्कार
    - ➢ प्रथम पुरस्कार, नोबेल पुरस्कार से सम्मानित डॉ. नॉर्मन ई. बोरलॉग को भारत के तत्कालीन महामहिम राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम ने 15 मार्च 2005 को प्रदान किया।
    - ➢ द्वितीय पुरस्कार, डॉ. गुरदेव एस. खुश को भारत के माननीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने 9 अक्तूबर 2006 को प्रदान किया।
    - ➢ तृतीय पुरस्कार, डॉ. सुरेन्द्र के. वासल को प्रोफेसर एम.जी.के. मेनन ने 3 मई 2008 को प्रदान किया।

प्रकाशन

'टास' द्वारा आयोजित विभिन्न क्रियाकलापों के आधार पर निम्नलिखित प्रकाशन/रिपोर्टें प्रकाशित की गई :

1. रेगुलेटरी मेजर्स फॉर यूटिलाइजिंग बायोटेक्नोलॉजिकल डेवलपमेंट्स इन डिफरेंट कंट्रीस – डॉ. मंजू शर्मा, सचिव, जैवप्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा 17 अक्तूबर 2003 को दिया गया प्रथम स्थापना दिवस व्याख्यान
2. इनेब्लिंग रेगुलेटरी मैकेनिज़्म्स फॉर रिलीज़ ऑफ ट्रांसजेनिक क्रॉप्स – विचारोत्तेजक सत्र, 18 अक्तूबर 2003
3. चैलेंजेज़ इन डेवलपिंग न्यूट्रिशनली इनहांस्ड स्ट्रेस टॉलरेंट जर्मप्लाज़्म – डॉ. एस.के. वासल, लब्धप्रतिष्ठ वैज्ञानिक, 'सिमिट', मैक्सिको द्वारा 15 जनवरी 2004 को दिया गया विशेष व्याख्यान
4. रोल ऑफ साइंस एंड सोसायटी टुवर्ड्स प्लांट जेनेटिक रिसोर्सिस मैनेजमेंट – इमर्जिंग इश्यूज – विचारोत्तेजक सत्र, 7–8 जनवरी 2005, मुख्य मुद्दे और अनुशंसाएं
5. रोल ऑफ इन्फॉरमेशन कम्युनिकेशन टैक्नोलॉजी इन टेकिंग साइंटिफिक नॉलेज/ टैक्नोलॉजिस टू द एंड यूजर्स – राष्ट्रीय कार्यशाला, 10–11 जनवरी 2005, अनुशंसाएं
6. पब्लिक–प्राइवेट पार्टनरशिप इन एग्रीकल्चरल बायोटैक्नोलॉजी – द्वितीय स्थापना दिवस व्याख्यान, व्याख्यानदाता – डॉ. गुरदेव एस. खुश, एडजंक्ट प्रोफेसर, यूनिवर्सिटी ऑफ केलिफोर्निया, डेविस, यूएसए, 17 अक्तूबर 2005
7. कृषि में नेतृत्व के लिए दिया गया प्रथम डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन पुरस्कार, 15 मार्च 2005 – मुख्य मुद्दे
8. फार्मर – लैड इनोवेशंस फॉर इन्क्रीस्ड प्रोडक्टिविटी, वैल्यू एडीसन एंड इनकम जेनरेशन – विचारोत्तेजक सत्र, 17 अक्तूबर 2005 – मुख्य मुद्दे तथा अनुशंसाएं
9. स्ट्रेटजी फॉर इन्क्रीसिंग प्रोडक्टिविटी ग्रोथ रेट इन एग्रीकल्चरल – डॉ. आर.एस. परोदा द्वारा अगस्त 2006 में प्रस्तुत रणनीतिपरक पत्र
10. कृषि में नेतृत्व के लिए द्वितीय डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन पुरस्कार, 9 अक्तूबर 2006 – एक संक्षिप्त रिपोर्ट
11. फार्मर–लैड इनोवेशंस टुवर्ड्स प्लांट वैराइटी इम्प्रूवमेंट, कंजर्वेशन एंड प्रोटेक्टिंग फार्मर्स राइट्स, 12–13 नवम्बर 2006, राष्ट्रीय संवाद, मुख्य मुद्दे तथा अनुशंसाएं
12. "मॉडल्स ऑफ पब्लिक–प्राइवेट पार्टनरशिप इन एग्रीकल्चरल बायोटैक्नोलॉजी" पर 7 अप्रैल 2007 को आयोजित विचारोत्तेजक सत्र – मुख्य मुद्दे तथा अनुशंसाएं
13. "फार्मर लैड इनोवेशंस फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर" पर 14–15 दिसम्बर 2007 को आयोजित संगोष्ठी – कार्यवृत्त
14. भारत में मानवीय राष्ट्रीय सुरक्षा तथा कुक्कुट क्षेत्र के विकास हेतु गुणवत्तापूर्ण प्रोटीन वाली मक्का पर राष्ट्रीय संगोष्ठी तथा कृषि में नेतृत्व के लिए तृतीय डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन पुरस्कार का प्रदानीकरण, 3 मई 2008 – कार्यवृत्त तथा मुख्य मुद्दे
15. नीति परिवर्तन, संस्थागत नवाचार और विज्ञान के माध्यम से विश्व के खाद्य व कृषि संकट से निपटना – डॉ. ज्वायचिम वॉन ब्राउन, डायरेक्टर जनरल, इंटरनेशनल फूड पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट, वाशिंगटन द्वारा 6 मार्च 2009 को दिया गया चतुर्थ स्थापना दिवस व्याख्यान
16. "भारतीय कृषि के समक्ष उभरती चुनौतियाँ–भावी पथ" विषय पर विचारोत्तेजक सत्र, 6 मार्च 2009, कार्यवृत्त तथा अनुशंसाएं
17. फार्म पशु आनुवंशिक संसाधनों के संरक्षण के लिए रणनीति पर विचारोत्तेजक कार्यशाला; 10–12 अप्रैल, 2009 – रांची घोषणा